

14/9/17

वि. अक्षीलान्त/रेस्पों उपस्थित  
हुई आदेश की पालना होकर मिसल  
दिनांक 23/11/17 को पेश हो।

वि. अक्षीलान्त/रेस्पों उपस्थित  
हुई आदेश की पालना होकर मिसल  
दिनांक 22/2/18 को पेश हो।

22/2/18

पञ्जावली प्रस्तुत हुई। आदेश. उच्चतम उपायुक्त/कायिद्वारा ने कायिद्वारा न्यायालय के द्वारा सत्र 20/2012 में पारित निर्णय दिनांक 14/6/16 की प्रकाशित प्रतिमापी प्रस्तुत कर निवेदन किया की यह कपील 212 राजस्वान काश्तकारी कायिद्वारा में पारित आदेश के विरुद्ध धारा 225 राजस्वान काश्तकारी कायिद्वारा के अन्तर्गत इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत हुई है। जिससे सम्भावित मूल वाड सत्र 20/2012 का अन्तिम निर्णय ही कायिद्वारा न्यायालय द्वारा कर दिया गया है जिससे यह 225 राजस्वान काश्तकारी कायिद्वारा की कपील सारहीन हो गई है। अतः स्वारित करार जावे। एतने प्रस्तुत नकल एवं पञ्जावली का आवेदन किया। यही इस 225 राजस्वान काश्तकारी कायिद्वारा से सम्भावित मूल वाड का विस्तारण ही कायिद्वारा न्यायालय द्वारा कर दिया गया है। अतः अब यह कपील सारहीन हो गयी है। अतः कपीलार्थी की कपील सारहीन होने से स्वारित ही जाती है। तदनुसार पञ्जावली फंसल शुमार होकर वाड तकमील शामिल इक्टर हो। आदेश अनुयाय गमा।



सजराज-अपील प्राधिकारी  
जयपुर